सुविचार

दुनिया का सबसे धोखेबाज शख्सियत वक्त है। जो कभी लौट कर वापस नहीं आता।

दैनिक

पंचकूला ऑब्जर्वर

सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 82 | पंचकूला। मंगलवार, 28 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से न्याय की उम्मीद खत्म : केजरीवाल

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की अदालत में चल रहे अपने मामले में पेश नहीं होने और ना कोई दलील रखने का फैसला किया है। केजरीवाल ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा, न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा से न्याय मिलने की मेरी उम्मीद टूट चुकी है। अपनी अंतरात्मा की आवा? सुनते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सिद्धांतों को मानते हुए और सत्याग्रह की भावना के साथ, मैंने इस मामले में उनके सामने पेश नहीं होने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, मैंने हितों के टकराव के कारण न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को मेरे मामले में खुद से हटने का अनुरोध किया था, लेकिन उन्होंने ने स्वयं ही सुनने का फैसला दिया। इस मामले में न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा जो भी फैसला सुनाएंगी, उस पर मैं अपने कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए स्वतंत्र हूं।

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

नई दिल्ली। कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान-इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग क्षेत्रों में विशिष्ट तथा असाधारण उपलब्धियों के लिए दिए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के नामांकन और सिफारिश आगामी 31 जुलाई तक की जा सकती है। प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन या सिफारिशें भेजने की प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू हो गई हैं। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिशें राष्ट्रीय पद्म पुरस्कार पोर्टल पर केवल ऑनलाइन की जा सकती हैं। पद्म पुरस्कार यानी पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु छह दिवसीय दौरे पर शिमला पहुंचीं

शिमला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सोमवार को अपने छह दिवसीय दौरे पर हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला पहुंचीं। राष्ट्रपति यहां अटल सुरंग का दौरा करने के अलावा लोक भवन में आयोजित भोज में शामिल होंगी। राज्यपाल कविंदर गुप्ता, मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खु और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने राष्ट्रपति का स्वागत छराबरा स्थित कल्याणी हेलीपैड पर किया, जो यहां से लगभग 14 किलोमीटर दूर है। इसके बाद उन्हें मशोबरा स्थित राष्ट्रपति निवास ले जाया गया।

राज्यस्तरीय कबड्डी खिलाड़ी 1.05 करोड़ हेरोइन के साथ दबोचा

पंचकूला पुलिस ने 4 महीनों मे 37 मामलें दर्ज कर 58 नशा तस्करों को पहुंचाया सलाखों के पीछे, जिसमें 18 मुख्य सप्लायर भी शामिल

- आरोपी के खिलाफ पूर्व में धोखाधड़ी व हत्या की कोशिश का मामला भी दर्ज

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। क्राइम ब्रांच सेक्टर-26 की टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर इंचार्ज दलीप सिंह की अगुवाई में टीम ने रायपुररानी-नारायणगढ़ रोड पर स्थित गांव प्यारेवाला के पास घेराबंदी की। यहाँ से पंजाब के जिला तरनतारन निवासी आरोपी रशपाल सिंह उर्फ लाली को उसकी महिंद्रा बोलेरो गाड़ी सहित दबोचा गया।

तलाशी के दौरान उसकी बोलेरो गाड़ी की ड्राइवर सीट के नीचे से 538 ग्राम हेरोइन बरामद की गई, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 5 लाख रुपये आंकी गई है। इस संबंध में थाना रायपुररानी में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21ए के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एसीपी क्राइम ने प्रेस वार्ता के दौरान मामलें का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी लंबे समय से नशा तस्करी के धंधे में संलिप्त है और पंजाब से हेरोइन लाकर पंचकूला क्षेत्र में सप्लाई करता था। आरोपी को 24 अप्रैल को अदालत में पेश कर 3 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया था। आगे की पूछताछ के लिए दोबारा अदालत में पेश कर 4 दिन का रिमांड लिया गया है, ताकि उसके मुख्य सप्लायर तक पहुंचा जा सके। आरोपी पहले राज्य स्तर का कबड्डी खिलाड़ी भी रह चुका है और उसके खिलाफ पंजाब में दो आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें एक हत्या के प्रयास और दूसरा धोखाधड़ी से संबंधित है।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने मुख्य सप्लायर के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जिसके आधार पर पुलिस टीम संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। उम्मीद है कि जल्द ही इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक ने कहा कि वर्ष 2026 में अब तक 4 महीने से भी कम समय में एनडीपीएस एक्ट के तहत 37 मामले दर्ज कर 58 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें 18 मुख्य सप्लायर शामिल हैं। इस दौरान पुलिस ने वाणिज्यिक मात्रा के 10 और मध्यम मात्रा के 27 मामलों में कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि इस अवधि में कुल 5 किलो 141 ग्राम हेरोइन, 27 किलो चूरा पोस्त, 6 किलो 296 ग्राम गांजा, 1 किलो 558 ग्राम चरस, 710 ग्राम अफीम तथा 40,200 नशीली प्रतिबंधित दवाएं बरामद की गई हैं, जिनकी बाजार में अनुमानित कीमत करीब 8 करोड़ 85 लाख रुपये है। इसके अलावा, तीन नशा तस्करों अमर सिंह (पिंजौर), सुल्तान (पंचकूला) और अभिषेक (उत्तर प्रदेश, हाल निवासी सेक्टर-14 पंचकूला) की नशे की कमाई से अर्जित संपत्तियों को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त किया गया है।

पुलिस द्वारा जागरूकता अभियानों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जनवरी से मार्च 2026 के बीच 81 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर 3699 लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इसके साथ ही, हाल ही में बागवाला स्थित हाईजीन फैक्ट्री में वर्ष 2022 से 2024 के दौरान जब्त किए गए करीब 2.02 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थों को नष्ट किया गया।

399 नशा पीड़ितों की पहचान, 361 का उपचार शुरू

नशा और हिंसा मुक्त मेरा गांव मेरी शान अभियान के तहत 1 जनवरी 2026 से 26 अप्रैल 2026 तक गठित तीन विशेष टीमों ने 3348 लोगों से संपर्क कर 399 नशा पीड़ितों की पहचान की है, जिनमें से 361 का उपचार शुरू करवाया जा चुका है। इनमें से 38 पीड़ितों को पुनर्वास केंद्रों में भर्ती कराकर उनका इलाज सुनिश्चित किया गया है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे नशा तस्करी से संबंधित किसी भी जानकारी को साझा करने के लिए ड्रग इंफो हेल्पलाइन नंबर 7087081100, 7087081048 या मानस हेल्पलाइन 1933 पर संपर्क करें। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

गुरुद्वारे से 30 हजार रुपए चोरी, दीवार फांदकर अंदर घुसा चोर

पंचकूला। जिले के पिंजौर क्षेत्र में चोर अब धार्मिक स्थलों को भी निशाना बना रहे हैं। हाल ही में पिंजौर के गांव ईशरनगर स्थित गुरुद्वारा साहिब में चोरी की वारदात सामने आई है। चोर ने गुरुद्वारे के दान पात्र (गल्ला) से लगभग 30 हजार रुपए का कैश चुरा लिया।

यह पूरी घटना गुरुद्वारे में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज के अनुसार, चोर गुरुद्वारा साहिब की पीछे की दीवार फांदकर अंदर घुसा। अंदर घुसते ही उसने सीसीटीवी कैमरे को घुमा दिया ताकि उसकी पहचान न हो सके।

गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान गुलजार सिंह ने बताया कि सुबह जब ग्रंथी पाठ करने पहुंचे, तो उन्होंने मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ पाया। अंदर दान पात्र भी खुला पड़ा था। ग्रंथी ने तुरंत इसकी सूचना कमेटी को दी।

गुलजार सिंह के अनुसार, दान पात्र में करीब 30 हजार रुपए की राशि थी, क्योंकि इसे पिछले तीन महीनों से नहीं खोला गया था। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी बच्चू सिंह मौके पर पहुंचे और आगे की जांच जारी है।

पिंजौर में पुलिस ने नो पार्किंग में खड़े 52 वाहनों के काटे चालान

- दुकानदारों से वाहनों को निर्धारित पार्किंग में खड़ा करने की अपील भी की

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। पिंजौर में यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस लगातार सख्त एवं प्रभावी कदम उठा रही है। इसी कड़ी में आज सूरजपुर ट्रैफिक एसएचओ अभिषेक की अगुवाई में ट्रैफिक टीम द्वारा पिंजौर में विशेष अभियान चलाया गया। सड़कों पर खड़े वाहनों की वजह से आए दिन जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी और आमजन को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था।

एसीपी ट्रैफिक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि कार्रवाई के दौरान टीम ने

सड़क किनारे नो-पार्किंग ज़ोन में खड़ी कुल 52 वाहनों के ऑनलाइन चालान किए। साथ ही मौके पर मौजूद वाहनों को हटवाकर पूरी सड़क को क्लियर करवाया गया, ताकि यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सके। ट्रैफिक पुलिस ने मार्केट के दुकानदारों को भी स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि वे सड़क पर वाहन खड़ा न करें और ग्राहकों को भी निर्धारित पार्किंग स्थल का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। इस संबंध में डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने कहा कि सड़कें आमजन की सुविधा के लिए हैं, न कि अवैध पार्किंग के लिए।

नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़, बिना दस्तावेज वाली बाइक का 22,500 का कटा चालान

पंचकूला ऑब्जर्वरह्हा

पंचकूला। पंचकूला में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है।

विशेष रूप से ऐसे वाहन चालकों पर कड़ी नजर रखी जा रही है जो नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ कर पुलिस की निगरानी से बचने की कोशिश करते हैं। इस अभियान के तहत पुलिस न केवल ऐसे मामलों की पहचान कर रही है, बल्कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई भी सुनिश्चित कर रही है, ताकि आम जनता में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना बढ़ सके।

इसी क्रम में आज माजरी चौक के पास सिटी ट्रैफिक एसएचओ वरिन्द्र कुमार की अगुवाई में टीम द्वारा

चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध बाइक को रोका गया। जांच के दौरान पाया गया कि बाइक की नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ की गई थी, जिससे उसकी पहचान छुपाने का प्रयास किया गया था। इतना ही नहीं, वाहन चालक के पास आवश्यक दस्तावेज भी मौजूद नहीं थे। उसके पास न तो ड्राइविंग लाइसेंस था, न ही वाहन का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, न बीमा और न ही प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसी)। यह सभी उल्लंघन पाए जाने पर पुलिस ने संबंधित चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए 22,500 रुपये का चालान किया और वाहन को मौके पर ही इंपाउंड कर लिया। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि सभी वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें और अपने वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बैरकपुर की धरती 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण केंद्र रही : मोदी

- पीएम मोदी बोले-4 मई के बाद फिर आऊंगा बंगाल

पंचकूला ऑब्जर्वर

बैरकपुर, 27 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में सोमवार को विजय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की राजनीति, विकास और आगामी चुनाव को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं और जनता के साथ भावनात्मक जुड़ाव का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बंगाल में जहां-जहां वे गए, वहां लोगों का उत्साह और अपनापन उन्हें गहराई से प्रभावित कर रहा है। 4 मई के चुनाव परिणामों के बाद भाजपा के शपथ ग्रहण समारोह में उन्हें फिर से बंगाल आने का अवसर मिलेगा। यहां के लोग उनके लिए परिवार जैसे हैं और उनके बीच आकर उन्हें सुकून मिलता है।

पीएम मोदी ने अपने भाषण में ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि बैरकपुर की धरती 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण केंद्र रही है और आज भी यह भूमि परिवर्तन की नई ऊर्जा को प्रेरित कर रही है। जब भारत समृद्ध था, तब अंग, बंग और कलिंग जैसे क्षेत्र उसकी शक्ति का आधार थे और आज देश को विकसित बनाने के लिए इन क्षेत्रों का मजबूत होना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि राजनीति में आने के बाद से उन्होंने लगातार देशभर में यात्रा की है और हर परिस्थिति में कार्यकर्ता के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को निभाया है। वे न समय देखते हैं और न मौसम, बल्कि केवल जनता की सेवा को प्राथमिकता देते हैं।

पीएम मोदी ने बताया कि हाल की रैलियों के दौरान उन्हें जनता का अभूतपूर्व प्रेम और समर्थन देखने को मिला, जिससे उनका उत्साह और बढ़ गया है। उन्होंने एक घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि एक महिला समर्थक उनसे मिलने के लिए बैरिकेड्स पार करने की कोशिश कर रही थी, जो उनके लिए भावनात्मक क्षण था।

प्रधानमंत्री ने विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस ÷मां, माटी, मानुष÷ के नारे के साथ सरकार बनी थी, उसे अब भुला दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और किसानों के मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। इस चुनाव में बंगाल के भविष्य के साथ-साथ पूर्वी भारत के विकास की दिशा भी तय होगी।

टीएमसी सांसद मिताली की कार पर ईंट-पत्थर, लाठियों से हमला

पंचकूला ऑब्जर्वर

हुगली। पश्चिम बंगाल के हुगली में सोमवार को ञस्ब्ट सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। ञस्ब्ट का आरोप है कि भाजपा समर्थकों ने गोगहाट में उनकी गाड़ी पर ईंट-पत्थर और लाठियों से हमला किया।

हमला उस वक्त हुआ, जब मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होने जा रही थीं। हमले में कार के शीशे टूट गए। सांसद और उनके ड्राइवर को चोट आई है। दोनों को आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हमले के बाद कैमरे के सामने मिताली बाग फूट-फूटकर रो पड़ीं। उन्होंने कहा कि मेरी गाड़ी की हालत देखिए। उन लोगों ने बड़े-बड़े पत्थर फेंके। मैं किसी तरह जान बचाकर निकली हूं।

TMC ने अपने ट्वीट में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने धमकी दी थी कि जो भी घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। उसी के बाद यह हमला हुआ। मिताली अभी आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हैं और अभिषेक बनर्जी उनसे मिलने पहुंचे हैं।

बता दें कि उत्तर 24 परगना के जगदल में रविवार रात को BJP और TMC कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। इस दौरान पत्थरबाजी, फायरिंग और देशी बम भी फेंके गए। इसमें तीन लोग घायल हुए, जबकि एक ष्टढ्ढस्स्न जवान के पैर में गोली लगी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने उत्तर 24 परगना में रैली की। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बंगाल की दशा और दिशा दोनों बदलने वाली है। यह चुनाव सिर्फ बंगाल ही नहीं, पूरे पूर्वी भारत का भविष्य तय करेगा।

पीयू के स्टूडेंट सेंटर को बम से उड़ाने की धमकी से मचा हड़कंप, अलर्ट हुईं सुरक्षा एजेंसियां

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। सोमवार को पीयू के स्टूडेंट सेंटर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। पुलिस कंट्रोल रूम को मिली इस सूचना के बाद शहर के इन संवेदनशील स्थान पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और पुलिस टीमों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आसपास के इलाकों की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया।

चंडीगढ़ पुलिस कंट्रोल रूम को मिली कॉल में स्पष्ट रूप से पीयू के स्टूडेंट सेंटर को निशाना बनाने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने इसे गंभीरता से लिया और बिना देरी किए सभी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया। शुरुआती प्रतिक्रिया में ही टीमों को मौके पर रवाना किया गया। धमकी के बाद पंजाब यूनिवर्सिटी कैंपस में सुरक्षा को कई स्तरों पर मजबूत किया गया।

बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड ने हर कोने की बारीकी से जांच की। आसपास के क्षेत्रों में भी पुलिस ने घेराबंदी कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। पंजाब यूनिवर्सिटी के कैंपस में आने-जाने वाले लोगों की जांच सख्ती से की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन एहतियात के तौर पर पूरी सतर्कता बरती जा रही है। साइबर टीम को भी सक्रिय कर दिया गया है। कॉल कहां से आई और किसने की, इसका पता लगाने के लिए तकनीकी जांच की जा रही है। शुरुआती अंदेशा है कि यह किसी शरारती तत्व की हरकत हो सकती है, लेकिन पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

चंडीगढ़ प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि स्थिति नियंत्रण में है और सुरक्षा के सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं।

व्यापार समझौता | 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर टैरिफ छूट

भारत और न्यूजीलैंड ने ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन किया

पंचकूला ऑब्जर्वर

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। भारत और न्यूजीलैंड ने सोमवार को ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए, इसके तहत न्यूजीलैंड को होने वाले 100 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर टैरिफ छूट मिलेगी। वहीं, न्यूजीलैंड से भारत आने वाले 95 प्रतिशत सामान पर टैरिफ में छूट दी गई है या फिर टैरिफ कम कर दिया गया है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और उनके न्यूजीलैंड समकक्ष टॉड मैक्ले की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। 16 मार्च, 2025 को शुरू हुए इस मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) ने रिकॉर्ड नौ महीनों में संपन्न होकर दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक नया अध्याय स्थापित किया है। इस समझौते के तहत भारत को सभी टैरिफ उत्पादों पर तत्काल 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त

पहुंच प्राप्त होगी। यह न्यूजीलैंड द्वारा वर्तमान में भारत से निर्यात किए जाने वाले लगभग 450 टैरिफ उत्पादों पर लगाए जाने वाले 10 प्रतिशत शुल्क से कम है, जिनमें वस्त्र और परिधान उत्पाद, चमड़ा और टोपी, चीनी मिट्टी के बर्तन, कालीन और वाहन एवं वाहन पुर्जे शामिल हैं।

इस मुक्त व्यापार समझौते में एक प्रावधान यह भी है कि न्यूजीलैंड अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर का निवेश करेगा। यह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईयू) द्वारा भारत के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते में किए गए 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता के समान है।

शेयर बाजार मजबूत, संसेक्स 639 अंक उछला

इधर, पश्चिम एशिया तनावों के बीच वैश्विक बाजारों में मजबूती और भू-राजनीतिक माहौल में सुधार और भारत-न्यूजीलैंड के बीच हुए ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के चलते पिछले लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में हरियाली देखने को मिली और घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 639.42 अंकों यानी 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,303.63 पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 194.75 (0.81 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 24,092.70 पर पहुंच गया। दिन के कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 76,856.05 पर खुलकर 563.99 अंक बढ़कर 77,420.04 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 23,945.45 पर खुलकर 185.25 अंक चढ़कर 24,130.70 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.90 प्रतिशत और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 1.47 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

मॉनसून से पहले बाढ़ सुरक्षा प्रबंधों पुख्ता करने के लिए एमफीबियस मशीनों की खरीद को मंजूरीः मान

कहा-उन्नत डिसिल्टिंग मशीनें पूरे पंजाब में बाढ़ रोकथाम, जान-माल और फसलों की सुरक्षा के लिए अधिक लाभदायक सिद्ध होंगी

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 27 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज बाढ़ सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए पंजाब के बाढ़ रोकथाम और राहत बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से उन्नत एम्फीबियस मशीनों (पानी में और जमीन पर चलने वाली मशीनों) की खरीद को मंजूरी दे दी है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार मानसून सीजन से पहले बाढ़ या भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने और जान-माल की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि बाढ़ राहत कार्यों को सुचारू और परेशानी मुक्त तरीके से चलाने के लिए पंजाब सरकार ने नहरों और नालों (ड्रेनों) की सफाई के लिए एम्फीबियस मशीनें खरीदने की सहमति दे दी है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि ये मशीनें बहते पानी में भी काम करने और गहराई तक सफाई करने में सक्षम हैं, जो इन्हें रोकथाम उपायों और आपातकालीन कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण बनाता है। उन्होंने कहा कि ये बहु-उद्देशीय मशीनें गहराई तक सफाई कर सकती हैं, जिसके लिए संभावित और आपातकालीन स्थितियों में बाढ़ राहत कार्यों के लिए हमारे पास ये मशीनें होना समय की जरूरत है। उन्होंने विभाग को इन मशीनों की खरीद के लिए विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए हैं। वैश्विक स्तर पर बेहतर अभ्यासों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मैंने हाल ही में फिनलैंड की अपनी यात्रा के दौरान इस मशीन को काम करते देखा था, जहां इन बहु-उद्देशीय मशीनों का पूर्ण उचित तरीके से उपयोग किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इन मशीनों का उपयोग बाढ़ सुरक्षा कार्यों के साथ-साथ नहरों, नालों, तालाबों और अन्य जल स्रोतों की देखभाल और सफाई के लिए प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इन मशीनों की खरीद से बाढ़ के कहर के कारण लोगों को आने वाली मुश्किलों को कम करने में अधिक मदद मिलेगी।

पानी के प्रबंधन संबंधी चिंताओं को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भाखड़ा डैम में पानी का अधिकतम स्तर 1680 फीट है और 26 अप्रैल को यह 1594 फीट दर्ज किया गया था।

उन्होंने कहा कि 1 जून से शुरू होने वाली धान की बिजाई को ध्यान में रखते हुए आगामी मानसून को देखते हुए सुचारू रूप से पानी छोड़ने की योजना बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ÷राज्य में 1 जून से धान की बिजाई शुरू की जा रही है, इसलिए आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए भाखड़ा डैम से अधिक से अधिक पानी छोड़ा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, राज्य में नए खालों के निर्माण और पुराने खालों को बहाल करने का काम 31 मई तक पूरा हो जाएगा, जिसके बाद सिंचाई के उद्देश्यों के लिए अतिरिक्त 5000 क्यूसेक पानी की जरूरत होगी।

चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जल स्रोत विभाग के प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, जनता के हित को ध्यान में रखते हुए बाढ़ को रोकने के लिए पूरे राज्य में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि खालों की सफाई युद्ध स्तर पर चल रही है और जल्द ही पूरी हो जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि संभावित बाढ़ को रोकने के लिए बाढ़ प्रभावित प्रमुख स्थानों पर गार निकालने का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है।

बाढ़ की रोकथाम के लिए उठाए गए व्यापक कदम

संवेदनशील क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य सरकार द्वारा रोपड़ जिले में जहां लगभग 20 गांव बाढ़ की मार झेल रहे हैं और जहां पिछले साल भारी नुकसान का सामना करना पड़ा था, वहां व्यापक रोकथाम कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ को नियंत्रित करने और निवासियों को राहत प्रदान करने के लिए जरूरत अनुसार स्टड और स्पर संरचनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को सिंचाई और पर्यटन दोनों उद्देश्यों के लिए स्वां नदी के चैनलाइजेशन की संभावना की पड़ताल करने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस और बरिंदर कुमार गोयल, लोकसभा सदस्य मालविंदर सिंह कंग, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

'केजरीवाल ने साबित किया है कि न्याय और आत्म सम्मान के लिए इंसान को हर कुर्बानी देने के लिए तैयार रहना चाहिए'

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 27 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब की सीनियर लीडरशिप ने पार्टी के नेशनल संयोजक अरविंद केजरीवाल के जस्टिस स्वर्णकांत शर्मा की अदालत में पेश न होने के फैसले का समर्थन किया है।

पार्टी ने इसे सच्चाई, आत्म-सम्मान और गांधीवादी सत्याग्रह पर आधारित सैद्धांतिक कदम बताया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि अरविंद केजरीवाल ने साबित किया है कि न्याय और आत्म-सम्मान के लिए इंसान को हर कुर्बानी देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

जब न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं, तो जनता का भरोसा डगमगाता है। हम सभी चट्टान की तरह उनके साथ खड़े हैं।

जब न्याय पर राजनीतिक साया पड़ता है, तो सच्चाई और निष्पक्षता दोनों प्रभावित होती हैंः अमन अरोड़ा

आप पंजाब के प्रधान अमन अरोड़ा ने कहा कि जब न्याय पर राजनीतिक साया पड़ता है, तो सच्चाई और निष्पक्षता दोनों प्रभावित होती हैं। भाजपा से जुड़े मामलों में निष्पक्षता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने आगे कहा कि केजरीवाल का सत्याग्रह का रास्ता अपनाने का फैसला महात्मा गांधी से प्रेरित एक शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावी विरोध को दर्शाता है। उन्होंने न्यायपालिका से अपील की कि उठाई जा रही चिंताओं पर ध्यान दिया जाए, ताकि जनता का भरोसा बना रहे।

यह फैसला न्याय में विश्वास बनाए रखने की दिशा में एक पहलः चीमा

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह कदम बेमिसाल है। आज़ादी के बाद शायद पहली बार किसी नेता ने सिस्टम से जुड़ी चिंताओं को उजागर करने के लिए ऐसा रास्ता चुना है। यह फैसला न्याय में विश्वास बनाए रखने और प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक सैद्धांतिक पहल है।

न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता पारदर्शिता पर निर्भर करती है : संजीव अरोड़ा

बिजली मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता केवल निष्पक्षता पर ही नहीं, बल्कि उसकी पारदर्शिता पर भी निर्भर करती है। जब निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं, तो सिस्टम की गरिमा बनाए रखने के लिए ऐसे कदम जरूरी हो जाते हैं।

एक नजर

भाजपा ने अपनी बी-टीम से कराया पंजाब के जनादेश का कत्ल : सुखजिंदर रंधावा

चंडीगढ़, 27 अप्रैल। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं गुरदासपुर सीट से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मिलीभगत करके पंजाब के जनादेश के हनन का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सीधे तौर पर पंजाब में जो नहीं कर पायी, वह अपनी बी-टीम आप के जरिए करवाने में सफल रही। यह पंजाब के साथ धोखा है। रंधावा ने कहा कि पंजाब के लोगों से ऐसी राजनीतिक चालों को समझने और सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पंजाब की असली ताकत लोगों की चेतना में है और किसी भी पार्टी को पिछले दरवाज़े से अपना असर बनाने की इजाज़त नहीं दी जानी चाहिए। यह बदलाव पंजाब की जनता के सीधे जनादेश से नहीं, बल्कि अप्रत्यक्ष और सुनियोजित राजनीतिक रणनीति के माध्यम से हुआ है। आप के सात राज्यसभा सदस्यों का भाजपा में शामिल हो जाना एक सोची समझी साजिश के तहत किया गया है, क्योंकि 2022 में 6.6 प्रतिशत वोट हासिल करने वाले भाजपा को पता था कि वह अपनी विचारधारा को सीधे तौर पर पंजाब में लागू नहीं करवा सकती थी। इसलिए आप के साथ मिलकर सात सदस्यों को भाजपा में शामिल कराया गया है, जिसके बाद भाजपा को पंजाब से राज्यसभा में 85.7 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिल गया है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर चिंता की बात है और पंजाब की जनता के जनादेश के साथ बहुत बड़ा धोखा है। रंधावा ने कहा कि पंजाब के हितों को नज़रअंदाज़ करके केंद्रीय राजनीति को प्राथमिकता दी जा रही है। पंजाब की अलगाववादी ताकतें कहती हैं कि उनके लोगों को सुना नहीं जाता, उन्हें न्याय नहीं मिलता।

गैंगस्टरों ते वार का 97वें दिन 486 स्थानों पर छापेमारी; 240 गिरफ्तार

चंडीगढ़, 27 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक 'गैंगस्टरों ते वार' मुहिम के 97वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 486 ठिकानों पर बड़े स्तर पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि ‌卐गैंगस्टरों ते वार卐 पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही एक व्यापक और निरंतर कार्रवाई है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी 2026 को डीजीपी गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए जी टी एफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष अभियान चला रही हैं। 97वें दिन की कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 6 हथियारों सहित 240 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 24,520 तक पहुंच गई है। इसके अलावा 56 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है, जबकि 51 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान 6 फरार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया है। पंजाब पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे गैंगस्टर विरोधी हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर गुप्त रूप से जानकारी साझा कर अपराध के खिलाफ इस अभियान में सहयोग करें।

डेरा सचखंड बल्लां के पास स्थापित किया जा रहा है 'श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र': हरपाल

रूपनगर, 27 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा रविवार शाम को नेहरू स्टेडियम, रूपनगर में आयोजित पहले विशाल आध्यात्मिक कीर्तन दरबार के साथ ही श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व के राज्य स्तरीय कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। इस विशाल आयोजन के साथ गुरु रविदास जी के सार्वभौमिक संदेश को पंजाब और इसके बाहर फैलाने के उद्देश्य से वर्षभर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला का आगाज़ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होते हुए पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी एवं कर तथा परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने संगत को शुभकामनाएं दीं और इस पहल के महत्व को उजागर किया। उन्होंने कहा, खुरालगढ़ साहिब में 649वें प्रकाश पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित वर्षभर बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की गई थी। वित्त मंत्री ने कहा, इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य श्री गुरु रविदास जी के सार्वभौमिक संदेश को पूरी दुनिया में फैलाना है। इसी के तहत पंजाब के कोने-कोने में स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विभिन्न शैक्षिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, इस बड़े प्रयास के हिस्से के रूप में राज्य के सभी जिलों में आध्यात्मिक कीर्तन दरबार आयोजित किए जा रहे हैं, जिनकी औपचारिक शुरुआत रूपनगर से हुई है। उन्होंने आगे कहा, भवन का नक्शा तैयार कर लिया गया है और निर्माण कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। निर्माण के बाद यह केंद्र आम लोगों को गुरु महाराज से संबंधित महत्वपूर्ण ऐतिहासिक शोध से भी अवगत कराएगा।

स्कॉलरशिप में बड़ी बढ़ोतरीः प्री-मैट्रिक (21 प्रतिशत), पोस्ट-मैट्रिक (11.23 प्रतिशत), हायर एजुकेशन (13.5 प्रतिशत): परमजीत

- **बीजेपी एससी मोर्चा के वाइस प्रेसिडेंट परमजीत सिंह कैथ ने एससी वेलफेयर के लिए 7,981 करोड़ रुपये के एलोकेशन का स्वागत किया**

नाभा, 27 अप्रैल। भारतीय जनता पार्टी शेड्यूल्ड कास्ट मोर्चा के वाइस प्रेसिडेंट परमजीत सिंह कैथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के उस फैसले का स्वागत किया, जिसमें फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के लिए 75 लाख से ज़्यादा शेड्यूल्ड कास्ट (SC) के बेनिफिशियरी के वेलफेयर के लिए 7,981.47 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह एलोकेशन इनक्लूसिव डेवलपमेंट और सोशल जस्टिस के लिए एक प्लान्ड और रिजल्ट-ओरिएंटेड अप्रोच को दिखाता है। उन्होंने कहा कि 'यह सिर्फ एक खर्च नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक रूप से पिछड़े वर्गों की ह्यूमन कैपिटल में एक स्ट्रक्चरल इन्वेस्टमेंट है।' परमजीत सिंह कैथ ने कहा कि यह रकम सोशल जस्टिस एंड एम्पावरमेंट डिपार्टमेंट की अलग-अलग स्कीमों के ज़रिए बांटी गई है, जो शिक्षा और सामाजिक-आर्थिक सुधार पर फोकस करती हैं। उन्होंने स्कॉलरशिप सेक्टर में हुई काफ़ी बढ़ोतरी की ओर इशारा किया - प्री-मैट्रिक में 21 प्रतिशत, पोस्ट-मैट्रिक में 11.23 प्रतिशत और टॉप क्लास शिक्षा के तहत 13.5 प्रतिशत। 'श्रेष्ठ' स्कीम का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि टारगेटेड इलाकों के हाई स्कूलों में स्टूडेंट्स को अच्छी रेजिडेंशियल शिक्षा देने के लिए इस स्कीम का खर्च 16 प्रतिशत बढ़ाया गया है, जिससे सेकेंडरी लेवल पर अच्छी क्वालिटी की शिक्षा तक पहुंच मज़बूत होगी।

फाइनेंशियल इनक्लूजन के बारे में कैथ ने कहा कि नेशनल सफाई कर्मचारी फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने 2025-26 के दौरान 29,448 बेनिफिशियरी को 223.47 करोड़ रुपये बांटे, जिनमें से लगभग 97 प्रतिशत महिलाएं हैं। एवरेज लोन अमाउंट बढ़कर 77,000 रुपये हो गया है, जिससे सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट और माइक्रो-एंटरप्राइजेज को मज़बूती मिली है।

केंथ ने ज़ोर देकर कहा कि डिपार्टमेंट का वेलफेयर स्ट्रक्चर सिर्फ़ अनुसूचित जातियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें OBC, सीनियर सिटिज़न्स, ड्रग एडिक्ट्स, ट्रांसजेंडर कम्युनिटी, डी-नोटिफाइड और नोमैडिक कास्ट्स (DNT) और इकोनॉमिकली वीकर सेक्शन्स (EWS) भी शामिल हैं, जो पूरी तरह शामिल करने की स्ट्रैटेजी को दिखाता है। उन्होंने पंजाब सरकार से अपील की कि इन स्कीम्स को आखिरी लेवल तक असरदार तरीके से पहुंचाया जाए, एडमिनिस्ट्रेटिव सपोर्ट को मज़बूत किया जाए और अवेयरनेस कैंपेन तेज़ किए जाएं, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा बेनिफिशियरीज़ तक पहुंचा जा सके। केंथ ने कहा कि प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में, भारत एक ट्रांसपेरेंट, अकाउंटेबल और रिज़ल्ट-ओरिएंटेड वेलफेयर सिस्टम की ओर बढ़ रहा है, जिसका मेन मकसद सबसे पिछड़े तबकों को मज़बूत बनाना है।

अनाज मंडी से गेहूं की लिफ्टिंग की मांग को लेकर विरोध

एसडीएम जगराओं के साथ मीटिंग में संगठनों ने लिफ्टिंग की मांग की

पंचकूला ऑब्जर्वर

जगराओं 27 अप्रैल। एशिया की दूसरी सबसे बड़ी मंडी और ब्रांचों से गेहूं की धीमी लिफ्टिंग के खिलाफ गल्ला मजदूर यूनियन, भारतीय किसान यूनियन एकता डकौंदा, आढ़तिया एसोसिएशन जगराओं ने एसडीएम ऑफिस के सामने विरोध प्रदर्शन किया। इस समय स्ढरू मैडम उपिंदरजीत कौर बराड़, , कन्हैया गुप्ता बांका, राज कुमार भल्ला,कंवलजीत खन्ना, जगतार सिंह देहरका, इंदरजीत सिंह धालीवाल के साथ मीटिंग में गल्ला मजदूर नेता देवराज ने सब-डिविजनल ऑफिसर को बताया कि अब तक 6 लाख 11 हजार 64 बोरियों में से सिर्फ 3 लाख 28 हजार बोरियों की लिफ्टिंग हुई है। बाकी बोरियां खुले आसमान के नीचे पड़ी हैं। तेज गर्मी के कारण जब वजन कम होता है और खरीद एजेंसियां अनाज की पूरी मात्रा और वजन मांगती हैं, तो उस कमी को मजदूरों से जबरदस्ती पूरा किया जाता है। कानून के मुताबिक, खरीद एजेंसियों को खरीद के 75 घंटे के अंदर गेहूं उठाना होता है। लेकिन पंद्रह दिन तक लिफ्टिंग न होने से सारा नुकसान मजदूरों पर पड़ता है और मजदूरों को चोरों से बचने के लिए रात में जागना पड़ता है।

संगठनों की पुरजोर मांग पर सब-डिविजनल ऑफिसर ने आज संबंधित खरीद एजेंसियों, ठेकेदारों, ट्रक यूनियनों के साथ मीटिंग करके मामले को सुलझाने का भरोसा दिया। इस समय तरसेम सिंह बसुवाल, गुरतेज सिंह अखाड़ा, जगजीत सिंह कलेर, जसविंदर सिंह भमल, मनजिंदर सिंह सलेमपुरा आदि मौजूद थे।

सहकारिता विभाग की कर्मचारी एसोसिएशन ने अपनी जायज मांगों के लिए स्पीकर संधवां से की मुलाकात

स्पीकर ने उनकी जायज़ मांगों को जल्द पूरा करने का दिया भरोसा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 27 अप्रैल। पंजाब विधानसभा के स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां ने आज सहकारिता विभाग की कर्मचारी एसोसिएशन के साथ मुलाकात की और सर्विस रूल्स 1997, नए वेतनमानों तथा कर्मचारियों की अन्य मांगों से संबंधित मुद्दों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

स्पीकर संधवां ने उनका मांग पत्र टिप्पणियों के लिए सहकारिता विभाग के सचिव को भेजा। एसोसिएशन ने स्पीकर कुलतार सिंह संधवां के सकारात्मक हस्तक्षेप के लिए उनका धन्यवाद किया। इस बैठक के दौरान स. गुरदेव सिंह सिद्धू, पूर्व प्रधान पंजाब; स. राजविंदर सिंह, जिला प्रधान फरीदकोट; स. लालजीत सिंह, जिला प्रधान फिरोजपुर; सरदार जगसीर सिंह, जिला प्रधान श्री मुक्तसर साहिब; सरदार बख्शीश सिंह, राज्य कोषाध्यक्ष; स. जगमीत सिंह; राज्य प्रेस सचिव, खुशप्रीत सिंह; अमनदीप शर्मा और कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिजली की मांग 10 दिनों के भीतर 7,900 मेगावाट से बढ़कर 12,000 मेगावाट से अधिक हुई

पंजाब गर्मियों में रिकॉर्ड बिजली मांग को पूरा करने और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयारः संजीव अरोड़ा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़; 27 अप्रैल। गर्मी बढ़ने के कारण बिजली की मांग में तेज और अचानक वृद्धि को देखते हुए भगवंत मान सरकार ने पूरे पंजाब में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कदम उठाए हैं। बिजली मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि भले ही पंजाब में बिजली की मांग दस दिनों के भीतर 7,900 मेगावाट से बढ़कर 12,000 मेगावाट से अधिक हो गई है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि राज्य में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। मिशन रोशन के तहत 6,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बिजली ढांचे के सुधार परियोजनाओं और गैर-योजनाबद्ध आउटेज में लगभग 70 प्रतिशत की कमी के साथ पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) ग्रिड स्थिरता बनाए रखने में सफल रहा है, वह भी ऐसे समय में जब देश के कई हिस्से बिजली की कमी से जूझ रहे हैं। इससे पंजाब गर्मियों में बिजली की चरम मांग के प्रबंधन में अग्रणी राज्यों की कतार में शामिल हो गया है। आज यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पंजाब के बिजली मंत्री संजीव अरोड़ा ने जोर देकर कहा कि भगवंत मान सरकार ने वर्तमान गर्मी के मौसम के दौरान बिजली की मांग में अचानक वृद्धि से निपटने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं और भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य भर में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि पीएसपीसीएल वर्तमान गर्मी के मौसम के दौरान बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और पूरे राज्य में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बिजली मंत्री ने मांग में हाल ही में हुई वृद्धि पर बात करते हुए कहा कि अचानक गर्मी बढ़ने के कारण पिछले कुछ दिनों में पंजाब में बिजली की मांग तेजी से बढ़ी है। उल्लेखनीय है कि राज्य में बिजली की मांग 15 अप्रैल को लगभग 7,900 मेगावाट से बढ़कर 25 अप्रैल तक 12,000 मेगावाट से अधिक हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत अधिक है।

पंजाब की तैयारियों पर जोर देते हुए उन्होंने आगे कहा कि इस अचानक वृद्धि के बावजूद पीएसपीसीएल ने समय पर योजना, मजबूत बुनियादी ढांचे और अग्रिम बिजली प्रबंधन के माध्यम से मांग को सफलतापूर्वक संभालते हुए ग्रिड स्थिरता बनाए रखी है।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने देशभर की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर भी बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर है और देश ने 24 अप्रैल को 252 गीगावाट की सर्वाधिक मांग दर्ज की, जबकि उपलब्ध आपूर्ति लगभग 239 गीगावाट थी, जिससे 13 गीगावाट की कमी उत्पन्न हुई। कई राज्य बिजली की कमी और कटौती का सामना कर रहे हैं, लेकिन सक्रिय योजना के कारण पंजाब की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। मुख्यमंत्री के निर्देशों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान ने बिजली मंत्री और पीएसपीसीएल की पूरी टीम को निर्देश दिए हैं कि बिजली कटौती के कारण लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, जिसके तहत सभी विभाग मिशन मोड में काम कर रहे हैं।

इस संबंध में उठाए गए कदमों का विवरण देते हुए संजीव अरोड़ा ने कहा कि अन्य राज्यों के साथ बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से 1,500 से 2,000 मेगावाट अतिरिक्त बिजली के लिए बातचीत आगामी चरण में है। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2025 की बाढ़ के दौरान क्षतिग्रस्त हुए राज्य के हाइडल प्लांटों को बहाल किया जा रहा है, जिससे जल्द ही लगभग 300 मेगावाट अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों और निजी स्रोतों से अतिरिक्त खरीद के माध्यम से लगभग 1,500 मेगावाट अतिरिक्त बिजली आपूर्ति का रास्ता साफ हुआ है।

उन्होंने आगे बताया कि इसके अलावा पंजाब केंद्र सरकार के पावर पूल से 2,000 मेगावाट अतिरिक्त बिजली प्राप्त करने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध अतिरिक्त बिजली प्राप्त करने के लिए प्रतिस्पर्धी अल्पकालिक टेंडर जारी किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अधिक बिजली उपलब्धता को प्रोत्साहित करने के लिए दो महीनों के लिए शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक व्हीलिंग चार्ज और क्रॉस सब्सिडी में छूट दी जा रही है।

बुनियादी ढांचे की मजबूती पर प्रकाश डालते हुए कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि मिशन रोशन पंजाब के तहत पूरे राज्य में बिजली ढांचे को आधुनिक और मजबूत बनाने के लिए 6,000 करोड़ रुपये से अधिक का ऐतिहासिक निवेश किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पूरे किए गए और चल रहे प्रमुख कार्यों में 70 नए सब-स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं, 200 मौजूदा सब-स्टेशनों का अपग्रेडेशन, 8,000 वितरण ट्रांसफार्मरों (डीटी) की स्थापना/अपग्रेडेशन, ओवरलोडिंग से संबंधित समस्याओं को कम करने के लिए 688 फीडरों को पहले ही डी-लोड किया जा चुका है, लगभग 41,000 नए डीटी स्थापित किए गए हैं और 8,380 डीटी का अपग्रेडेशन किया गया है, 7 नए 66 केवी सब-स्टेशन चालू किए गए हैं और 82 पावर ट्रांसफार्मर पूरी तरह पूर्ण किए जा चुके हैं। सिस्टम की विश्वसनीयता के बारे में उन्होंने कहा कि पीएसपीसीएल ने पिछले वर्ष की तुलना में गैर-योजनाबद्ध बिजली आउटेज में भी काफी कमी की है। अप्रैल के तीसरे सप्ताह तक यह लगभग 70 प्रतिशत घटकर वर्ष 2025 में 13,271 से घटकर 2026 में 3,974 रह गई है, जो बुनियादी ढांचे की मजबूती के प्रभाव को दर्शाता है।

कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने आगे कहा कि पीएसपीसीएल की टीमें गर्मियों के मौसम के दौरान घरेलू, कृषि, औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात काम कर रही हैं।

एक नजर

श्री गुरदेव चैरिटेबल ट्रस्ट, संतनगर ने गुरमन राय को किया सम्मानित

सिरसा। दिल्ली में 16 अप्रैल से 22 अप्रैल 2026 तक आयोजित 69वें नैशनल स्कूल गेम्स के अंडर-17 वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले गुरमन राय को श्री गुरदेव चैरिटेबल ट्रस्ट, संतनगर की ओर से रविवार को स्टेडियम में सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के प्रधान हरपिंद्र सिंह कूका ने बताया कि गुरमन राय के साथ-साथ कोच गुरबचन सिंह, हरप्रीत व मेहर चंद को भी सम्मानित किया गया, जिनके मार्गदर्शन में गुरमन राय ने ये उपलब्धि हासिल की। हरपिंद्र कूका ने कहा कि खेलों में भी करियर की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखकर अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर करना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस जरूरत है, उन्हें सही मंच प्रदान करने की। इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवाओं को प्रोत्साहन मिलता है और वे दोगुनी मेहतन के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं। इस मौके पर कोच गुरबचन सिंह, हरप्रीत व मेहर चंद ने कहा कि गुरमन राय में खेल के प्रति अपार ललक है और वह समर्पित भाव से खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहा है। इससे पूर्व भी वह कई प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का के जोहर दिखा चुका है।इस मौके पर जतिंदर ढिल्लों, मलकीत सिंह, दविंदर काहलों, हीरा सिंह कोच, गुरदेव काहलों, शिंदा बराड़, अमर सिंह कूका, सूरज मेहता, जिंदरपाल सग्गू, सुरजीत सग्गू, जगतार नंबरदार, गुरमेल कोच गुरदेव काहलों, अमीर विर्क, गुरचरण किलेवाला, प्रोफेसर बूटा सिंह सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

करियर गाइडेंस एंड काउंसलिंग सर्विसेज ने मौलिक मेहता को किया सम्मानित

सिरसा। शहर की प्रतिष्ठित संस्था करियर गाइडेंस एंड काउंसलिंग सर्विसेज द्वारा मौलिक मेहता को दसवीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने तथा अपने विद्यालय में 96 प्रतिशतअंक प्राप्त कर चौथा स्थान हासिल करने पर सम्मानित किया गया। मौलिक मेहता सेंट जेवियर सीनियर सैकेंडरी स्कूल, सिरसा के छात्र हैं और वे करियर काउंसलिंग के लिए इस संस्था से जुड़े हुए थे। लगभग दो वर्ष पूर्व संस्था की काउंसलर और एस्ट्रोलॉजर डॉ. रागिनी शर्मा द्वारा मौलिक की काउंसलिंग की गई थी, जिसमें उनकी रुचि एवं क्षमता को ध्यान में रखते हुए उन्हें मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने की सलाह दी गई थी। संस्था की डायरेक्टर डॉ. सरोज गोयल द्वारा भी मौलिक की विस्तृत काउंसलिंग की गई, जिसमें उनके भविष्य की संभावनाओं का गहन विश्लेषण किया गया। मौलिक मेहता के दादा डॉ. ए. डी. मेहता लंबे समय से सिरसा शहर में चिकित्सा सेवा दे रहे हैं। उनके पिता हर्ष मेहता इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र से जुड़े हैं तथा माता प्रीति मेहता हैं। परिवार ने संस्था के मार्गदर्शन पर विश्वास जताते हुए मौलिक को मेडिकल क्षेत्र में आगे बड़ाने का निर्णय लिया। इस अवसर पर मौलिक के परिजन भी उपस्थित रहे। संस्था के संचालक इंजीनियर नरेश गोयल ने मौलिक मेहता को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं तथा उनकी निरंतर सफलता की कामना की।

धन्ना भगत ने सादगी, ईमानदारी और मेहनत का जीवन जिया : साहुवाला

सिरसा। संत शिरोमणि धन्ना भगत मध्यकालीन भारत के भक्ति आंदोलन के महान संत, कवि और वैष्णव भक्त थे तथा उन्होंने सादगी, ईमानदारी और मेहनत का जीवन जिया तथा वे अपनी निस्वार्थ भक्ति और भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण के लिए जाने जाते हैं। ये शब्द लायन्स क्लब सिरसा अमर के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी रमेश साहुवाला ने स्थानीय फ्रैंडस कालोनी में धन्ना जयंती के अवसर पर भक्तों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि धन्ना ने हमेशा ही साधु-संतों की सेवा की तथा जरूरतमंदों की हर संभव मदद करते थे और उन्होंने निराकार भगवान की भक्ति की थी। इस अवसर पर बच्चों ने संकल्प लिया कि वे भी परमात्मा पर विश्वास करके अपनी मेहनत से कार्य करेंगे और उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया तथा उन्हें स्वामी रमेश साहुवाला ने गोल्ड मेडल पहनाकर एवं उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर ज्योति, रिया, सीमा, अंतिमा, किरण, संजू, आरती, सुनिता, गुंजन उपस्थित थे।

ग्रामीणों को स्व-गणना के प्रति जागरूक किया

सिरसा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साहुवाला द्वितीय में जनगणना-2027 के अंतर्गत स्व- गणना जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें विद्यालय के बच्चों और ग्रामीणों को स्व-गणना के प्रति जागरूक किया गया। प्राचार्य मंजू पूनिया ने कहा कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले में जनगणना प्रक्रिया चल रही है। जिसके तहत 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना की जा रही है। स्व-गणना को सफल बनाने के लिए विद्यालय के बच्चों एवं ग्रामीणों को विद्यालय के प्रगणक एंव सुपरवाइजर द्वारा जागृत किया जा रहा है। इसमें सब की भागीदारी जरूरी है। ब्लाक नाथूसरी चौपटा के मास्टर ट्रेनर दलबीर सिंह ने कहा कि स्व-गणना एक सरल और डिजिटल प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। इस अभियान में दयानंद सीनियर सैकेंडरी स्कूल नाथूसरी चोपटा की छात्रा गार्गी भी स्व-गणना के प्रति लोगों को जागरुक कर रही है। उन्होंने कहा कि स्व-गणना का पोर्टल 16 अप्रैल से शुरू हो चुका है और 30 अप्रैल तक चलेगा। इस अवसर पर विद्यालय का स्टाफ बच्चे और ग्रामीण उपस्थित रहे।

चारा वितरण अनुदान राशि के लाखों रुपए के चैक विभिन्न गौशालाओं को वितरित किए

पंचकूला ऑब्जर्वर

सिरसा। डबवाली भाजपा महिला जिलाध्यक्ष रेणु शर्मा द्वारा डबवाली क्षेत्र में हरियाणा सरकार गौशाला आयोग द्वारा प्रदान की गई चारा वितरण अनुदान राशि के लाखों रुपए के चैक विभिन्न गौशालाओं को वितरित किए।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि गौमाता हमारी संस्कृति, आस्था और संवेदनशीलता की प्रतीक हैं। गौसेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण से भी जुड़ा विषय है। सरकार का उद्देश्य गौशालाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। प्रदेश सरकार लगातार गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनुसंधान पर काम कर रही है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष रेणु शर्मा ने गांव बनवाला गौशाला को 613180, नुहियांवाली गौशाला को 1206120, रिसालियाखेड़ा गौशाला को 1153220, गंगा गौशाला को 1816080, गोरीवाला गौशाला को 688620, जंडवाला बिश्नोइयान गौशाला को 1342280, रामगढ़ गौशाला को 519340, बिज्जुवाली गौशाला को 566260, कालुआना गौशाला को 1297200, रताखेड़ा व राजपुरा गौशाला को 416300, गोदिकां गौशाला को 463680, रामपुरा बिश्नोईयान गौशाला को 682640 रुपए की राशि के चैक भेंट किए। उन्होंने बताया कि जिले की अन्य गौशालाओं को भी जल्द चैक भेंट कर दिए जाएंगे। इस मौके पर उनके साथ अमीलाल पारीक, जसवंत जाखड़, प्रिंस बिश्नोई, अमित मेहला, जगदीश महर, योगेश बिश्नोई, महेंद्र डूडी व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरियाणा विधानसभा में महिला विषयक समिति के गठन को मंजूरी, नौ सदस्यों में पांच महिलाएं

हरियाणा विधानसभा सत्र

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़. हरियाणा विधानसभा ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए महिला विषयक समिति के गठन को सर्वसम्मति से मंजूरी प्रदान की है। यह निर्णय सोमवार को आयोजित विशेष सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की अध्यक्षता में लिया गया। इस संबंध में प्रदेश सरकार के संसदीय कार्यमंत्री महिपाल ढांडा द्वारा प्रस्तुत सरकारी संकल्प को सदन ने सर्वसम्मति से पारित किया। यह समिति हरियाणा विधानसभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 279-एफ के अंतर्गत गठित की जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि इस समिति में अधिकतम नौ सदस्य होंगे, जिनमें से पांच सदस्य महिलाएं होंगी। विशेष रूप से समिति की चेयरपर्सन भी महिला सदस्य ही होंगी, जिससे महिला नेतृत्व को अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा। यह समिति हरियाणा राज्य महिला आयोग द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों का परीक्षण करेगी तथा महिलाओं की समानता, प्रतिष्ठा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की गहन समीक्षा करेगी।

इसके अतिरिक्त समिति शिक्षा, स्थानीय निकायों, सरकारी सेवाओं एवं अन्य क्षेत्रों में महिलाओं के पर्याप्त प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए किए गए प्रयासों का भी मूल्यांकन करेगी। समिति महिलाओं की स्थिति और परिस्थितियों में सुधार के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए उपायों पर अपने सुझावों सहित विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी। साथ ही महिलाओं के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं की कार्यप्रणाली और उन पर की गई कार्यवाही की समीक्षा करेगी। समिति को यह अधिकार भी होगा कि वह ऐसे अन्य विषयों पर विचार करे, जिन्हें वह स्वयं उपयुक्त समझे या जिन्हें सदन अथवा अध्यक्ष द्वारा विशेष रूप से संदर्भित किया जाए। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया है कि समिति दिन-प्रतिदिन के प्रशासनिक कार्यों की जांच या अन्वेषण नहीं करेगी।

इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि समितियां जनहित के कार्यों को सिद्ध करने का एक सशक्त और प्रभावशाली माध्यम हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस कमेटी के गठन को नारी सशक्तीकरण के लिए मील का पत्थर बताया है।

पूर्व डिप्टी स्पीकर गोपी चंद गहलोत को श्रद्धांजलि

हरियाणा विधानसभा में सोमवार को विशेष सत्र के दौरान विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर गोपी चंद गहलोत के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि भेंट की गई। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही जब शोक प्रस्ताव पढ़े गए तो विपक्षी दल कांग्रेस की तरफ से कोई भी विधायक, नेता व उप नेता सदन में मौजूद नहीं था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, इनेलो के विधायक आदित्य देवीलाल और हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण सहित पूरे सदन ने हरियाणा विधानसभा के भूतपूर्व उपाध्यक्ष गोपी चंद गहलोत तथा भूतपूर्व सांसद जंगबीर सिंह के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सदन ने दिवंगत महानुभावों द्वारा देश व प्रदेश को दी गई उल्लेखनीय सेवाओं को याद करते हुए उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया । दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उनके परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त की। इनके अलावा सदन ने शहीद सैनिकों लेफ्टिनेंट अमित सिंह, सूबेदार धर्मवीर, सहायक उप निरीक्षक जागेराम, हवलदार राजेश कुमार, हवलदार वीरेंद्र सिंह, नायक अशोक कुमार, कॉरपोरल अमन, लांस नायक नरेश अहलावत, सिपाही अरविन्द्र सिंह, बाबूलाल, नवीन यादव, हिमांशु कौशिक, नवीन कुमार, अमन कुमार, जयदीप व मोहित को मातृभूमि की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने पर उनके अदम्य साहस व वीरता के लिए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

भजनलाल पर की गई टिप्पणी शर्मनाक व अस्वीकार्य : राव नरेंद्र सिंह

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भाजपा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी भजनलाल जी एवं विधायक चंद्रमोहन के खिलाफ की गई अमर्यादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह बयान पूरी तरह शर्मनाक, अस्वीकार्य और प्रदेश की जनता का घोर अपमान है। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान न केवल राजनीतिक मर्यादाओं को तार-तार करते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सभ्यता पर भी प्रश्नचिह्न लगाते हैं। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्तियों से संयमित भाषा, शालीन व्यवहार और गरिमापूर्ण आचरण की अपेक्षा की जाती है। विशेष रूप से जब बात किसी दिवंगत जननेता की हो, जिन्होंने अपना पूरा जीवन जनता की सेवा, प्रदेश के विकास और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में समर्पित किया हो, तब इस प्रकार की अभद्र टिप्पणी करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय चौधरी भजनलाल हरियाणा की राजनीति के एक मजबूत स्तंभ थे। उन्होंने प्रदेश को नई दिशा देने, विकास कार्यों को गति देने तथा आमजन की आवाज को सत्ता तक पहुंचाने का कार्य किया।

बिहोली गांव के खेतों में प्रवासी मजदूर की निर्मम हत्या

समालखा. हलके के गांव बिहोली में सुबह के समय खेतों में शव मिलने से अफरा तफरी का माहौल बन गया। आनन फानन में सुचना डायल 112 पुलिस कों दी गई। क्राइम पुलिस, सिआइए, फोरेनसिक टीम आदि नें मौके पर पहुंच आवश्यक कार्यवाही अम्ल में लाइ गई। पुलिस द्वारा शव कों कब्जे में लेकर शव गृह रखवा दिया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव कों परिजनों के सुपुर्द किया जाएगा। पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह मृतक का शव बिहोली-बापौली रोड पर रतन के खेत में मिला था। मृतक प्रवासी मजदूर की पहचान बिहार निवासी रणजीत (उम्र करीब 35 वर्ष)के रूप में हुई हैं। जों पिछलेदस से 12 वर्षों से पूर्व सरपंच के खेतों में काम कर रहा था। प्रारंभिक जांच में पुलिस का शक मृतक के ही एक रिश्तेदार पर भी हैं। जों रात कों मृतक से मिलने आया था। वहीं मृतक का रिश्तेदार वारदात के बाद से फरार हैं। अज्ञात हमलावर द्वारा तेजधार हथियार से गला काटकर हत्या की गई हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जाँच शुरू कर दी हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया जाएगा।

सफाई कर्मचारियों ने शुरू की दो दिवसीय भूख हड़ताल

समालखा. नप के अंतर्गत सफाई कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सोमवार से दो दिन की हड़ताल पर बैठ गए हैं। कर्मचारी 28 अप्रैल को कार्यालयों मे हड़ताल पर रहेंगे। सोमवार को सफाई प्रधान रणबीर की अध्यक्षता में ह?ताल शुरू की गई। उनके साथ अन्य कर्मचारीयों नें अनशन किया। सफाई कर्मचारी प्रधान रणबीर ने बताया कि कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर 27 अप्रैल से दो मई तक धरना-प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल पर रहने की चेतावनी दी है। सोमवार व मंगलवार को दो दिन पांच-पांच सफाई कर्मचारी सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक भूख हड़ताल पर बैठ गए है। उन्होंने बताया कि लंबित मांगों को लेकर संघ व सरकार के मध्य कई बार वार्ता हो चुकी है और इनमें सिर्फ आश्वासन ही मिल रहे हैं। वर्ष 1997 से 2026 तक सफाई व सीवर कर्मचारियों की पक्की भर्ती नहीं की गई है। संघ की ओर से हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया गया है।

निगम चुनाव : नामांकन जांच प्रकिया के दौरान 3 पार्षद उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द

पंचकूला ऑब्जर्वर

सोनीपत. जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि नगर निगम सोनीपत आम चुनाव-2026 के अंतर्गत नगर निगम क्षेत्र में निर्धारित 22 वार्डो के लिए कुल 110 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। उन्होंने बताया कि सोमवार को इन सभी नामांकन पत्रों की जांच की गई और तीन उम्मीदवारों के नामांकन पत्र रद्द किए गए। अब पार्षद पद के लिए 107 उम्मीदवार बचे हुए हैं।उन्होंने बताया कि नामांकन जांच प्रक्रिया के दौरान वार्ड नंबर-06 से पूनम, वार्ड नंबर-08 से नीतू तथा वार्ड नंबर-17 से गौरव का नामांकन रद्द किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार चुनाव न लडने के इच्छुक उम्मीदवार 28 अप्रैल को अपना नामांकन वापिस ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि 28 अप्रैल को ही चुनाव चिन्हों का आवंटन तथा अंतिम प्रत्याशी सूची भी प्रकाशित की जाएगी। मतदान 10 मई को प्रात: 8:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक होगा तथा मतगणना 13 मई को प्रात: 8:00 बजे से आरंभ की जाएगी।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नामांकन जांच प्रक्रिया के बाद निर्धारित 22 वार्डों में वार्ड नंबर-01 से 05 उम्मीदवार मनीष सैनी, हरी प्रकाश, योगेश, जयकुमार तथा अकबर खां, वार्ड नंबर-2 से 03 उम्मीदवार पवन, सुरेन्द्र सिंह नय्यर तथा मुकेश, वार्ड नंबर-03 से 05 उम्मीदवार सुरिन्दर मदान, जितेन्द्र कुमार, अनुज, सलोनी, दीपक, वार्ड नंबर-04 से 06 उम्मीदवार त्रिभुवन कौशिक, डॉ कमलेश कुमार सैनी, बबीता कौशिक, पायल, विकास मलिक तथा पवन कुमार, वार्ड नंबर-05 से 07 उम्मीदवार नीरज, सोनिया अत्री, रीना सैनी, बिंदिया चोपड़ा, सुनीता, संतोष तथा रीना देवी, वार्ड नंबर-06 से 03 उम्मीदवार निशा, सिल्की तथा सोनिया, वार्ड नंबर-07 से 06 उम्मीदवार मुनी राम, सुनील, चन्दरूप, कुशल, बिजेन्दर तथा सिद्धार्थ बचे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर-08 से 05 उम्मीदवार कुनाल, पुनित, आर्यन, सचिन कौशिक तथा पवन कुमार, वार्ड नंबर-09 से 04 उम्मीदवार मीना, आशा रानी, ऊषा तथा सरोज, वार्ड नंबर-10 से 06 उम्मीदवार सत्यवीर, आमीन खान, पूजा, अनिल कुमार, संजय कुमार तथा सतपाल, वार्ड नंबर-11 से 03 उम्मीदवार संगीता, कविता रानी तथा सरिता, वार्ड नंबर-12 से 03 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दर्ज करवाया, जिनमें अंजलि, साधना तनेजा तथा अमनप्रीत कौर, वार्ड नंबर-13 से 03 उम्मीदवार दीपक कुमार, महेश लूथरा तथा मुकेश बत्रा, वार्ड नंबर-14 से 03 उम्मीदवार किरण चांदना, रितिका तथा आशा रानी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर-15 से 05 उम्मीदवार संतोष शर्मा, संजीव वालेचा, पवन तनेजा, विमल किशोर तथा इंदु वालेचा, वार्ड नंबर-16 से 07 उम्मीदवार विश्वजीत, अंजराग जैन, राजपाल, नवीन कुमार, मनोज कुमार, नरेन्द्र कुमार, जितेन्द्र कुमार अग्रवाल, वार्ड नंबर-17 से 08 उम्मीदवार विकास, सुरेन्द्र कुमार, राजेश, सुनीता, विक्रम, कुलदीप खासा, मोनिका तथा यशवीर, वार्ड नंबर-18 से 05 उम्मीदवार सुनीता देवी, चंचल, सोनम, मुनेश देवी तथा ऊषा शामिल है। वार्ड नंबर-19 से 04 उम्मीदवार विकास दहिया, राजेश, अनिल कुमार तथा सचिन शामिल हैं। वार्ड नंबर-20 से 04 उम्मीदवार देवेन्द्र सिंह, किरण बाला, राज कुमार तथा प्रीति दहिया शामिल हैं। वार्ड नंबर-21 से 04 उम्मीदवार संजना, दीपमाला, सुमन व गिन्नी देवी, वार्ड नंबर-22 से 08 उम्मीदवार शेर मोहम्मद, सतपाल सिंह, नवीन कुमार, फिरोज खान, बंसी लाल, जयपाल सिंह, बिजेन्द्र मलिक तथा जोगिन्दर बचे हुए हैं।

ओपन स्केटिंग चैंपियनशिप में उनाज ने जीता रजत व कांस्य पदक

सिरसा। ओपन स्केटिंग चैंपियनशिप में द आर्यन स्कूल के कक्षा 3 के विद्यार्थी उनाज ने अपने शानदार प्रदर्शन से रजत और कांस्य पदक जीतकर स्कूल व जिलेका नाम रोशन किया। स्कूल प्रिंसीपल श्वेता माहेश्वरी ने बताया कि चंडीगढ़ में आयोजित इस प्रतियोगिता में स्कूल के तीसरी कक्षा के विद्यार्थी उनाज ने प्रतिभागिता की। उनाज ने अपने शानदार कला कौशल का प्रदर्शन करते हुए रजत व कांस्य पदक जीतकर स्कूल व जिले का नाम रोशन किया।

स्कूल के निदेशक अनिल गोयल, चारू गोयल ने कहा कि स्कूल प्रबंधन की ओर से बच्चों को आधुनिक व तकनीकी शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करती है और बच्चे और अच्छा करने के लिए उत्सुक रहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि बच्चों को शुरू से ही इस प्रकार से तैयार किया जाए, ताकि वो आगे चलकर किसी भी क्षेत्र में अपने आप को पिछ्हुड़ा न समझे। उनाज की यह सफलता स्कूल प्रबंधन के साथ-ासाथ बल्कि अभिभावकों के लिए भी गौरवशाली है। वहीं दूसरे बच्चों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी है। इस मौके पर मीनू सभरवाल व कोच अनिल चौधरी भी मौजूद रहे।

धन्ना भगत की तर्ज पर सादगी अपनाते हुए कर्म करना चाहिए: कैप्टन अभिमन्यु

पंचकूला ऑब्जर्वर

कैथल. हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि हमें धन्ना भगत की तर्ज पर सादगी अपनाते हुए कर्म करना चाहिए। कैप्टन अभिमन्यु सोमवार को गांव जाखोली में धन्ना भगत के मंदिर का उद्घाटन तथा हाल के शिलान्यास अवसर पर समारोह को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्य मंत्री कमलेश ढांडा तथा किसान नेता अभिमन्यु कोहाड ने भी शिरकत की। इससे पूर्व कैप्टन अभिमन्यु तथा अन्य अतिथियों का ग्रामीणों द्वारा फूल मालाओं व पगडी पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि संत शिरोमणि धन्ना भगत की सादगी तथा प्रभु के प्रति विश्वास को लेकर ही आज उन्हें याद किया जा रहा है। हमें चाहिए कि हम उनके दिखाएं मार्ग पर चलते हुए आपस में भाईचारा तथा सोहार्द कायम करें। उन्होंने कहा कि धन्ना भगत मंदिर को लेकर गांव के लोगों ने जो एकजुटता तथा विश्वास दिखाया है वह काबिले तारीफ है। इस प्रकार से अन्य गांव के लोगों को भी इस प्रकार के कार्य करने चाहिए। उन्होंने कहा कि धन्ना भगत एक सच्चे किसान भक्त के रूप में जाने जाते हैं। जिनकी सादगी और भक्ति के सामने प्रभु ने साक्षात दर्शन देने पडे। हमारे बुजुर्ग भी 36 बिरादरी को साथ लेकर चलते थे तथा जहां भी वे रहते थे तो सभी अन्य बिरादरी के लोगों को भी वहां पर आश्रय दिया जाता था।

धन्ना भगत को कर्म में विश्वास के प्रति याद किया जाता है

इससे पूर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री कमलेश डांडा ने कैप्टन अभिमन्यु का स्वागत करते हुए कहा कि कैप्टन का नाम हरियाणा की राजनीति में समर्पण और सोहार्द के लिए कद्दावर नेता के रूप में लिया जाता है। उन्होंने कहा कि कैप्टन ने उनके परिवार का लंबे समय से साथ और सहयोग दिया है। यही कारण है कि वे आज मंच पर खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि धन्ना भगत का नाम गुरु ग्रंथ साहब में भी सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्हें सादगी और कर्म में विश्वास के प्रति याद किया जाता है। कार्यक्रम में सांसद के कार्यालय प्रभारी रविंदर धीमान ने सांसद नवीन जिंदल का संदेश पढकर सुनाया तथा मंदिर के लिए 5 लाख रुपए की राशि देने का ऐलान किया। कार्यक्रम को भाजपा नेता तुषार डांडा, जिला पार्षद अमरजीत कसान, रामकरण चहल कोटडा, पार्षद दीप मलिक, सतीश कुमार ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन मनोज कुमार द्वारा किया गया। मनोज कुमार ने बताया कि मंदिर के निर्माण में करीब 80 लाख रुपए की राशि खर्च हुई है। गांव के बारू राम द्वारा 631000 की धनराशि दी गई। इसी प्रकार से अनिल कुमार द्वारा 1.01 लाख, बलवीर ढुल द्वारा 1.25 लाख, मनोज रापड़िया द्वारा 1.21 लाख, बलिंदर द्वारा 1.10 लाख, राजाराम, रामफल कोटड़ा तथा पार्षद दीपक तथा रामकरण चहल कोटड़ा द्वारा 1.01 लाख रुपए की राशि दी गई। इसके अलावा सतीश कुमार द्वारा 651000 की राशि से मंदिर का गेट का निर्माण करवाने का ऐलान किया। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि वे मंदिर निर्माण में 11 लाख रुपए की राशि का सहयोग करेंगे।

डायबिटीज के मरीज कौन से फल खा सकते हैं और कौन से नहीं

डायबिटीज के मरीजों को अपनी डाइट का बेहद खास ध्यान रखना पड़ता है।क्योंकि खानपान में जरा सी लापरवाही भी ब्लड शुगर का लेवल को बढ़ा सकती है।

कई लोग सोचते हैं कि फल मीठे होते हैं, इसलिए डायबिटीज में इन्हें बिल्कुल नहीं खाना चाहिए, लेकिन ऐसा पूरी तरह सही नहीं है। फल शरीर को विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट देते हैं, इसलिए सही मात्रा और सही चुनाव के साथ इन्हें डाइट में शामिल किया जा सकता है। जरूरत सिर्फ इस बात की है कि कौन से फल फायदेमंद हैं और किन फलों से दूरी बनानी चाहिए।

सेब, नाशपाती, जामुन, अमरूद, पपीता, संतरा, मौसंबी, कीवी और बेरीज जैसे फल फाइबर से भरपूर होते हैं और इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम माना जाता है, इसलिए इनका सीमित मात्रा में सेवन डायबिटीज मरीजों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है डायबिटीज के मरीजों को आम, केला, अंगूर, अनानास, चीकू और लीची जैसे फलों को खाने से बचना चाहिए। क्योंकि इन फलों में प्राकृतिक शुगर और ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत ज्यादा होता है जो ब्लड शुगर को तेजी से बड़ा सकता है।इन फलों के साथ डिब्बाबंद सिरप वाले फल, बहुत ज्यादा मीठे फलों के जूस, ड्राई फ्रूट्स जैसे किशमिश, खजूर और प्रोसेस्ड फ्रूट स्मूदी का सेवन भूलकर भी नहीं करना चाहिए। फल हमेशा पूरा खाएं, जूस बनाकर नहीं पिएं। एक बार में ज्यादा मात्रा न लें। सुबह या स्नैक टाइम में खाना बेहतर माना जाता है। फल खाने के बाद ब्लड शुगर मॉनिटर करें। हर व्यक्ति की बॉडी अलग तरह से प्रतिक्रिया करती है, इसलिए डायबिटीज मरीज अपनी दवा, शुगर लेवल और डॉक्टर की सलाह के अनुसार फल चुनें। सही मात्रा में सही फल खाने से सेहत को फायदा मिल सकता है।

एक्टिंग नहीं छोड़ रहे हैं करण वाही

टीवी से वेब सीरीज का सफर तय करने वाले अभिनेता करण वाही 'रीमिक्स', 'दिल मिल गए', 'नेवर किस योर बेस्ट फ्रेंड' (सीजन 2) और 'चन्ना मेरेया' जैसे कई शो में अभिनय करने के बाद घर-घर में मशहूर हो गए। हाल ही में उन्होंने अपने आध्यात्मिक सफर और जीवन में कुछ देर बाद अपने विश्वासों तक पहुंचने के बारे में खुलकर बात की। सोशल मीडिया पर उनके ये बयान वायरल होने के बाद कई लोगों ने कयास लगाए कि करण अभिनय पूरी तरह छोड़ने वाले हैं। चर्चाओं के बढ़ने के बाद अब अभिनेता ने इसके पीछे की सच्चाई बताई है। करण वाही ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट का जवाब दिया, जिसे बाद में हटा दिया गया था। उस पोस्ट में कहा गया था कि अभिनेता ने आध्यात्मिकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अभिनय से दूरी बनाने का फैसला किया है। इस पोस्ट को स्टोरी पर साझा करते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, 'आध्यात्मिक होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे अपना काम छोड़ना होगा। कृपया वायरल होने के लिए अफवाहें न फैलाएं। संबंधित व्यक्ति से अनुरोध है कि इस पोस्ट को हटा दें और झूठ न फैलाएं। धन्यवाद।' वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वाही को हाल ही में सोनी लिव पर स्ट्रीम करने वाली रोमांटिक थ्रिलर सीरीज 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' (2024) में देखा गया था।

अफेयर की चर्चाओं के बीच धनुष की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी मृणाल!

पिछले साल मृणाल ठाकुर और धनुष के रिश्ते को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही थीं। यहां तक कि दोनों की शादी तक कीं अफवाहें बी-टाउन की गलियों में फैली थीं। हालांकि, मृणाल ने कई बार इन्हें अफवाहें बताकर खारिज किया। अब एक बार फिर मृणाल और धनुष चर्चाओं में हैं, लेकिन इस बार वजह पर्सनल नहीं बल्कि प्रोफेशनल है। चर्चाएं हैं कि मृणाल ठाकुर धनुष के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में प्रमुख भूमिका में नजर आ सकती हैं।

धनुष करेंगे फिल्म का निर्देशन

इंडिया टुडे में छपी एक खबर के मुताबिक, एक महिला प्रधान फिल्म पर काम चल रहा है और मृणाल ठाकुर को मुख्य भूमिका के लिए चुना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में महिला मुख्य कलाकार के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी और बातचीत अंतिम चरण में है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ अन्य खबरों के अनुसार, धनुष इस फिल्म का निर्देशन कर सकते हैं, जो 1960 या 1970 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

उड़ी थीं मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें

धनुष और मृणाल ठाकुर के बारे में अफवाहें पिछले साल अगस्त 2025 से फैलनी शुरू हुई थीं। जब दोनों को मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर एक साथ देखा गया। इससे पहले धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप पार्टी में भी मृणाल ठाकुर की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा था। सोशल मीडिया पर धनुष के परिवार के सदस्यों को फॉलो करते हुए मृणाल के देखे जाने के बाद अटकलें और तेज हो गईं। बाद में मृणाल ठाकुर ने अपनी फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के दौरान अपनी शादी की अफवाहों को खारिज किया था। उन्होंने इन चर्चाओं को सिर्फ अफवाह बताया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे धनुष

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल हाल ही में आदिवी शेष के साथ फिल्म 'डकैत' में नजर आईं। इस एक्शन रोमांटिक ड्रामा को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धीमी रही। वहीं धनुष अपनी अगली फिल्म 'कारा' की तैयारी में जुटे हैं, जो 1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं अकेलापन महसूस करने लगी थी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, ''पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।''

उन्होंने कहा, ''दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।''

अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।''

जैकी भगनानी न रकुल प्रीत सिंह से शादी के कारणों आपसी बॉन्डिंग को लेकर बात की

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के क्यूट कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर साथ में कपल गोल देते रहते हैं। हाल ही में जैकी भगनानी ने अपने रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि शादी के बावजूद वह अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप की तरह मानते हैं। साथ ही जैकी ने आपस की बॉन्डिंग को लेकर भी बात की। हाल ही में जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह ने शादी के कारणों और अपने रिश्ते में आए बदलावों के बारे में बात की। जैकी ने बताया कि हमने एक-दूसरे से कहा कि अब हम 20-21 साल के नहीं हैं। हम दोनों ने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से खुशमिजाज इंसान हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश नहीं कर रहा जो मेरे जीवन की कमी को पूरा कर सके, क्योंकि अगर मैं उदास रहूंगा, तो चाहे कोई भी मेरे जीवन में आए, मैं उदास ही रहूंगा। तुम भी व्यक्तिगत रूप से खुश हो। साथ में हम और भी खुश हैं। इस पर रकुल ने कहा कि वे एक-दूसरे के जीवन की कमी को पूरा कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि तुम मुझे छुट्टी पर नहीं ले गए, इसलिए मैं दुखी हूं। मैं अकेले भी छुट्टी पर जा सकती हूं। मुझे लगता है कि जीवन में बात करने के लिए और भी महत्वपूर्ण बातें हैं।

इस दौरान जैकी ने कहा कि रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, क्योंकि शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उससे हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं स्पीकरफोन पर बात करने में जरा भी संकोच नहीं करता। यह जताते हुए कि मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। मैं कुछ भी नहीं छिपाता, इसलिए मुझे घुटन महसूस नहीं होती।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com